स्पेशल टास्क फोर्स, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

प्रेस नोट संख्याः 213, दिनांक 19–07–2024

Telegram Groups के माध्यम से गूगल पर टास्क देकर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के लिए बैंक खातों का संचालन करने वाले सरगना सहित 03 अभियुक्त गिरफ्तार।

दिनांकः 17–07–2024 को एस0टी0एफ0, उत्तर प्रदेश को Telegram Groups के माध्यम से गूगल पर टास्क पूरा करने पर धन दोगुना करने का लालच देकर ठगी करने वाले संगठित गिरोह के लिए कमीशन पर लिये गये बैंक खातों का संचालन कर रूपये को USDT में विभिन्न App के माध्यम से कनवर्ट कर गैंग के वालेट में ट्रांसफर करने वाले सरगना सहित 03 अभियुक्तों को जोधपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः–

1– प्रकाश नवल पुत्र श्रवणराम निवासी सकीनबिचला का वॉस भदवासिया नियर सरकारी विद्यालय जोधपुर राजस्थान। (सरगना)
2– सतीश नवल उर्फ मोन्टू पुत्र जगदीश चन्द्र नवल निवासी सकीन गली नं0–03 परिहार नगर भदवासिया जोधपुर राजस्थान।
3– कैलाश चन्द्र सुकेरिया पुत्र मोहनलालजी सुकेरिया निवासी साकिनदाऊ किराना स्टोर के पास मदेडना कॉलोनी जोधपुर राजस्थान।

बरामदगी–

1– 07 अदद मोबाइल फोन।
2– 19 अदद एटीएम कार्ड।
3– 02 अदद लैपटाप।
4– 03 अदद आधार कार्ड।
5– 03 अदद पैन कार्ड।
6– 02 अदद डीएल।
7– 03 अदद वोटर आईडी कार्ड
8– रू0 58,350/– नकद।
9– 01 अदद एक्सयूवी–700 आरजे 19 यूवी 0763,
10– 01 अदद सफारी आरजे 19 यूवी 2015,
11– 01 अदद एल्ट्रोज आरजे 19 सीएन 4491

गिरफ्तारी का दिनांक, स्थान व समयः– दिनांकः 17–07–2024 **स्थानः** थाना मांता का थान के पास पउटा जाने वाले ओवरब्रिज के नीचे जोधपुर राजस्थान, **समयः** 14:05 बजे ।

एस0टी0एफ0, उत्तर प्रदेश को विगत काफी समय से सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज भेजकर टॉस्क देकर धन दोगुना करने का लालच देकर ठगी करने वाले संगठित गिरोहों के सक्रिय होने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थी। इस सम्बन्ध में एसटीएफ उ0प्र0 की विभिन्न टीमों/इकाईयों को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था। जिसके क्रम में श्री विशाल विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, एस0टी0एफ0, उ0प्र0 के पर्यवेक्षण में एस0टी0एफ0 मुख्यालय स्थित साइबर टीम द्वारा अभिसूचना संकलन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी तथा अभिसूचना तन्त्र को सक्रिय किया गया।

अभिसूचना संकलन के क्रम में ज्ञात हुआ कि थाना साइबर क्राइम लखनऊ में मु0अ0सं0 09/2024 पंजीकृत हुआ है, जिसमें दिसम्बर–2023 में वादी को व्हाटसएप पर Work from home से job आफर देकर गूगल पर टास्क पूरा करने पर धन दोगुना करने का मैसेज आता है। वादी के सहमत होने पर Telegram Group में जोड दिया जाता है। इसके बाद gginm.com पर वादी द्वारा एकाउण्ट बनाया जाता है व गूगल पर टास्क पूरे किये जाते है। कम्पनी द्वारा दिये गये बैंक खातों में रूपये भेज दिया जाता है, जिसको कम्पनी द्वारा gginm.com पर वादी के एकाउण्ट में दोगुना करके भेज दिया जाता है। इस क्रम में वादी द्वारा लगभग 9 लाख रूपये जमा किया गया। वादी द्वारा जब अपना रूपया विड्राल करने का प्रयास किया गया तो वेबसाइट पर चार लाख और जमा करने को बोल गया। जिसके बाद वादी को समझ में आया कि उसके साथ फ्राड हो रहा है। इसके अतिरिक्त थाना साइबर क्राइम लखनऊ में मु0अ0सं0 98/2023 भी पंजीकृत हुआ था, इसमें भी उपरोक्त तरीके से वादी से लगभग 6.5 लाख की ठगी की गयी थी।

उपरोक्त प्रकरण पर तकनीकी विशेषज्ञता एवं मुखबिर के माध्यम से सूचना संकलित करते हुए दिनांक 17–07–2024 को निरीक्षक श्री संजय सिंह के नेतृत्व में एसटीएफ टीम द्वारा थाना माता का थान के सामने पउटा जाने वाले ओवरब्रिज के नीचे जोधपुर (राजस्थान) से उपरोक्त तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया जिनसे उपरोक्त बरामदगी हुई।

गिरफ्तार अभियुक्त प्रकाश नवल ने पूछताछ में बताया कि मैने वर्ष–2014 में आईटीआई की है। वर्ष 2016 से 2020 तक एसबीआई व आईसीआईसीआई बैंक में क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट में काम किया तथा वर्ष 2020 से 2023 तक जयपुर में भारत–पे में टीम लीडर के पद पर कार्यरत रहा। इसी दौरान सितम्बर–2023 में मेरे टेलीग्राम पर मैसेज आया कि आप को UPI PAYMENT PORT MULTINATIONAL COMPANY में कलेक्शन मैनेजर के पद पर जाब का आफर है, यदि आप काम करना चाहे तो कर सकते है। हमारी कम्पनी क्रिप्टो में इनवेस्ट कराती है कस्टमर द्वारा आपके बैंक खाते में रूपये भेजे जायेंगे। जिसको आपको 12 प्रतिशत कमीशन काटकर Tether USDT में कनवर्ट करके कम्पनी के वालेट में ट्रांसफर करना होगा। आप जितने भी बैंक खाते उपलब्ध करायेगे उनमें प्रतिदिन 1–2 लाख रूपये आयेंगे। इसके बाद मैने मेरे चचेरे भाई सतीश नवल उर्फ मोन्टू से बात किया कि यदि हम लोग किराये के कुछ खाते मैनेज कर लें तो अच्छा फायदा हो सकता है जिसके लिए मोंटू तैयार हो गया। इसके बाद हम दोनो ने किराये के बैंक खाते लेकर काम करना प्रारम्भ कर दिया। Tether USDT कनवर्ट करने का काम कैलाश चन्द्र सुकेरिया द्वारा कराया जाने लगा। जिन बैंक खातें में रूपये आते थे वह 4–5 दिन मे ब्लाक हो जाते थे। हम लोग किराये के मल्टिपल बैंक खाते प्रयोग करते थे। हम लोगों द्वारा लगभग 200 बैंक खाते किराये पर लिए गये जिनमें अबतक विभिन्न चरणों में लगभग 7–8 करोड रूपये आये हैं जिसको हम तीनों मिलकर अपना कमीशन काटकर Tether USDT कनवर्ट कर कम्पनी के वालेट में ट्रांसफर कर दिये। जो रूपये कमीशन में आये उनको हम तीनों व एकाउण्ट होल्डर्स ने आपस में बांट लिया। प्रकाश नवल द्वारा बतायी गयी बातों का उपरोक्त सतीश नवल व कैलाश चन्द्र सुकेरिया ने समर्थन किया और बताया कि हम लोग रूपये के लालच में आकर यह कार्य करने लगे।

अभियुक्तों द्वारा बताये गये बैक खाते, वालेट व Telegram Account की जानकारी व गिरोह के अन्य सदस्यो की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। अभियुक्तों से बरामद इलेक्ट्रानिक उपकरणों का फारेंसिक परीक्षण कराया जोयेगा।

उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्तों को जोधपुर (राजस्थान) से ट्रान्जिट रिमाण्ड पर लेकर थाना साइबर क्राइम, कमिश्नरेट लखनऊ में मु0अ0सं0 98/2023 धारा 406, 420, 467, 468, 471, 120बी भा0द0वि0 व 66 आईटी एक्ट व मु0अ0सं0 09/2024 धारा 406, 420, 467, 468, 471, 120बी भा0द0वि0 व 66डी आईटी एक्ट में दाखिल कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।